

हिंदुस्तानी संगीत - गायन में स्नातक (बी ०ए०)				
षष्ठम सेमेस्टर कोर इलेक्टिव का पाठ्यक्रम				
उद्देश्य - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय शास्त्रीय संगीत की गायन विधा (पाठ्यक्रमानुसार) का प्रगत अध्ययन कराना है।				
क्र० सं०	कोर्स शीर्षक	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
1	भारतीय शास्त्रीय संगीत का प्रगत अध्ययन - गायन	BAMV(N)- 350	50	2
प्रथम खण्ड	इकाई 1 – राग यमन का विस्तृत अध्ययन (आलाप, स्वर विस्तार, विलम्बित ख्याल एवं छोटा ख्याल– पूर्ण गायकी सहित, विभिन्न प्रकार की तानें, तराना, ध्रुपद व धमार दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लयकारी सहित, कल्याण रागांग पर आधारित रागों का ज्ञान) ।			
	इकाई 2 – राग भैरव का विस्तृत अध्ययन (आलाप, स्वर विस्तार, विलम्बित ख्याल एवं छोटा ख्याल – पूर्ण गायकी सहित, विभिन्न प्रकार की तानें, तराना, ध्रुपद व धमार दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लयकारी सहित, भैरव रागांग पर आधारित रागों का ज्ञान) ।			
	इकाई 3- तीनताल का विस्तृत अध्ययन (ठेका, ठेके के प्रकार, संगत में प्रयोग, विभिन्न प्रकार की लयकारियां) ।			
	इकाई 4 – एकताल का विस्तृत अध्ययन (ठेका, ठेके के प्रकार, संगत में प्रयोग, विभिन्न प्रकार की लयकारियां) ।			
	इकाई 5 – अपनी विधा से सम्बंधित संगीत वाद्य का पूर्ण ज्ञान (संरचना, रख-रखाव, वाद्य मिलाने की विधि, प्रस्तुतिकरण में प्रयोग) ।			
	इकाई 6 – संगीत का मानव जीवन में महत्व (सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रभावना आदि पहलुओं पर आधारित) ।			
	2			
	इकाई 7 – राग यमन का परिचय, स्वर विस्तार एवं सरगम गीत / लक्षण गीत ।			
	इकाई 8 - राग यमन में विलम्बित ख्याल एवं मध्यलय ख्याल (आलाप व तानों सहित) एवं तराना ।			
	इकाई 9 – राग यमन में ध्रुपद व धमार दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लयकारी सहित			
	इकाई 10 – राग भैरव का परिचय, स्वर विस्तार एवं सरगम गीत / लक्षण गीत ।			
	इकाई 11 राग भैरव में विलम्बित ख्याल एवं- मध्यलय ख्याल (आलाप व तानों सहित) ।			
	इकाई 12 – राग भैरव में ध्रुपद व धमार दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लयकारी सहित			
	इकाई 13- कुमाऊं नी बैठकी होली।			
	इकाई 14- तानपुरा मिलाने का ज्ञान ।			
	इकाई 15- पाठ्यक्रम के तालों तीनताल एवं एकताल के ठेकों एवं उनको दुगुन, तिगुन, चौगुन एवं आड़ लयकारी में पढ़ना।			
	इकाई 16 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।			
राग – यमन एवं भैरव		ताल – तीनताल एवं एकताल		